हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 173 देहरादून, बुधवार, 28 दिसंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

नए साल को यादगार बनाने उत्तराखंड आये पर्यटक : सतपाल महाराज

3

सुशासन, सरलीकरण एवं समाधान की दिशा में एक कदम और आगे बढ़े मुख्यमंत्री धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

28 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अनुभागों से उच्च स्तर पर जो पत्रावलियां आती हैं, उन पर अधिकारी अपना मन्तव्य अवश्य लिखें। पत्रावलियों को सकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए अपना नोट अवश्य जोड़ें। नीति निर्धारण वाले प्रकरणों की पत्रावलियों में वैल्यू एडिटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। अनुसचिव से अपर सचिव स्तर तक के अधिकारी भी ग्राम स्तर पर आयोजित चौपालों में समय-समय पर प्रतिभाग करें। योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए नियमित फील्ड विजिट भी किये जाए। सचिवालय में सुराज, सुशासन, सरलीकरण एवं समाधान के संबंध में अनु सचिव से अपर सचिव तक के अधिकारियों की बैठक में मुख्यमंत्री ने यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि सचिवालय स्तर पर भी सुशासन पुरस्कार दिये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी भारत सरकार के स्तर से कोई पत्र आता है।

उस पत्र की आत्मा क्या है, सचिव स्तर से इसका नोट लिख कर पत्रावली अनुभाग को भेजी जाए। इससे जनहित लिये जाने वाले महत्वपूर्ण निर्णयों की नोटिंग शुरुआती चरण से ही सही तरीके से आयेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समीक्षा बैठकों के लिए मन्थली कैलेंडर बनाने की दिशा में भी ध्यान दिया जाए। कार्यों के बेहतर एवं त्वरित संपादन के लिए अधिकारी आपसी तालमेल से कार्य करें। विभागों के किसी प्रस्ताव पर यदि कोई बात स्पष्ट न हो रही हो तो, फाइल वापस भेजने के बजाय विभागाध्यक्षों से फोन पर वार्ता कर ही उनका मंतव्य जान लिया जाए। इससे समय की भी बचत होगी एवं जनहित से जुड़े प्रकरणों का निस्तारण भी तेजी से होगा।

इस अवसर पर अधिकारियों ने बेहतर कार्यसंस्कृति के लिए अपने सुझाव दिये। बैठक में सुझाव दिया गया कि एक अधिकारी को अलग-अलग विभागों के अनुभाग दिये जाने के बजाय एक ही विभाग के दो या तीन अनुभाग मिलेंगे तो इससे कार्यों में तेजी आयेगी। कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए सेमिनार एवं अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिस का सुझाव भी आया। बैठक में मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, सचिव दिलीप जावलकर, विनोद कुमार सुमन, एस.एन पाण्डेय एवं अपर सचिव से अनुसचिव स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छ राजनीतिज्ञ सम्मान से नवाज़े गए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को नित्यानंद स्वामी जन सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छ राजनीतिज्ञ सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में स्वामी जी की 94 वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को सम्मानित करने के साथ ही संगीत, शिक्षा, उद्योग, चिकित्सा एवं सांस्कृतिक सम्पदा से जुड़े 5 लोगों के साथ अन्य दो लोगों को उत्तराखण्ड गौरव से सम्मानित किया गया।

प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री रहे नित्यानंद स्वामी को नमन करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सेवा प्रदान करने की उनकी संकल्पबद्धता अभूतपूर्व थी। एक वकील के रूप में हो, एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में हो या फिर एक मुख्यमंत्री के रूप में उनका जीवन हम सभी के लिये एक प्रेरणापुंज के समान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री होते हुए उन्होंने अंत्योदय के विचार को अपने कार्यों के माध्यम से सिद्ध किया। शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विकास और सैनिकों के हित के लिये उन्होंने अभूतपूर्व कार्य किये। उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने उत्तराखण्ड के राज्य चिन्हों को स्थापित कर, संपूर्ण देश में उत्तराखंड की एक विशिष्ट पहचान बनाई। मुख्यमंत्री ने नित्यानंद स्वामी जनसेवा समिति द्वारा उनके जीवन से प्रेरित होकर समाज सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। समिति द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में, व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र जमीनी स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। जो निश्चित रूप से सार्थक पहल है।

मुख्यमंत्री ने उन्हें स्वच्छ राजनीतिज्ञ सम्मान से सम्मानित किये जाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्तिगत तौर पर उनकी भी यही कोशिश रहती है कि जनता की सेवा हेतु जो काम किए जाएं, वह पूर्ण रूप से "सेवा परमो धर्मः" के मंत्र को सार्थक करने के लिए ही हो। समिति ने मुझे "स्वच्छ राजनीतिज्ञ सम्मान" से अलंकृत करने योग्य समझा, इसे भी अपना गौरव समझता हूं। यह सम्मान मुझे नया उत्तराखण्ड बनाने के लिये नई ऊर्जा देने का कार्य करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्व. नित्यानन्द स्वामी की स्मृति में राज्य में संसदीय परम्पराओं की मजबूती एवं सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के प्रयासों से सम्बन्धित संसदीय संस्थान जैसी किसी संस्थान की स्थापना की भी बात कही। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने जिन्हें सम्मानित किया उनमें पद्मश्री बसंती बिष्ट, जितेन्द्र जोशी, श्री हरेन्द्र कुमार गर्ग, डॉ. डी.एम काला, प्रेम हिगवाल शामिल थे। उत्तराखण्ड गौरव सम्मान रस्किन बांड एवं प्रसून जोशी की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधियों को प्रदान किया गया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेम चंद्र अग्रवाल, सांसद सुश्री रेखा वर्मा, नरेश बंसल, उत्तर प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ अम्मार रिजवी, परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानन्द मुनि, समाजसेवी डॉ. एस फारूख, डॉ. आर के बक्सी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में स्व. नित्यानन्द स्वामी के परिवारिक जनों सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कोविड 19 के नए वेरिएंट के चलते स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने इमरजेंसी वार्ड का किया मुआयना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोविड 19 के नए वैरिएंट को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से मुस्तैद है यह बात स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार द्वारा प्रदेश के सभी जनपदों के चिकित्सा इकाइयों में मॉकड्रिल के दौरान कही। मंगलवार को कोरोना के दृष्टिगत उत्तराखंड में स्वास्थ्य इकाइयों में आईसीयू वार्ड, इमरजेंसी, ऑक्सीजन प्लांट, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, ऑक्सीजन सीलेंडर, आइसोलेशन बेड, एम्बुलेंस, कोविड टेस्टिंग लैब, दवाईयों की उपलब्धता आदि की तैयारियां मॉकड्रिल में परखी गई। मॉकड्रिल के मौके पर स्वास्थ्य सचिव द्वारा देहरादून स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय कोरोनेशन अस्पताल का जायजा लिया गया। उन्होंने सर्वप्रथम पीएसए ऑक्सीजन प्लांट का जायजा लिया जहां उन्होंने प्लांट में ऑक्सीजन प्रेशर, ऑक्सीजन प्यूरिटी का निरीक्षण किया साथ ही मेडिकल गैस मैनिफोल्ड रुम, गैस स्टोर का जायजा लिया।

स्वास्थ्य सचिव द्वारा इमरजेंसी वार्ड का मुआयना किया गया, उन्होंने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व अन्य उपकरणों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को इलाज के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने को लेकर निर्देशित किया। स्वास्थ्य सचिव द्वारा बताया गया कि जनपदों में मौजूद स्वास्थ्य इकाइयों में तैनात चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दे दिए गए हैं और किसी भी प्रकार की

कोताही नहीं बरती जाएगी। कोविड की स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग समयबद्ध तरीके से तैयारी कर चुका है व आम जनमानस को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वास्थ्य सचिव ने कहा, कि विभाग की अपील है कि कोविड को लेकर कोई भी अफवाह ना फैलाएं साथ ही घबराने की जरुरत नही है। हमारी आमजन से अपील है कि कोविड अनुकूल व्यवहार का पालन करें और सावधानी बरतें। स्वास्थ्य संबंधित किसी भी समस्या के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपना इलाज कराएं।कोरोना वैक्सीनेशन पर स्वास्थ्य सचिव ने बताया प्रदेश में बूस्टर डोज लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया जा रहा है। हमने भारत सरकार को वैक्सीन के लिए अतिरिक्त मांग भेज दी है जो कि मिलने पर आगे जनपदों को भेज दी जाएगी।

उत्तराखंड भारत में नए साल का जश्न मनाने के लिए सबसे अच्छी जगह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर ,त्योहारों का मौसम वापस आ गया है और हर कोई नए साल का जश्न मनाना चाहता है। मौसम दिन-ब-दिन ठंडा होता जा रहा है, और हम नए साल की पूर्व संध्या से कुछ ही दिन दूर हैं। नए साल की शुरुआत में माना जाता है कि हमारे जीवन में कुछ न कुछ बदलाव जरूर आएगा। और नए साल की पार्टी 2023 को खास बनाने के लिए अपनों के साथ यात्रा करना साल की शुरुआत करने का एक सही तरीका है। दिल्ली के पास कई नए साल के गंतव्य हैं, जहां आप बच्चों, परिवार और दोस्तों के साथ नए साल की शाम बिता सकते हैं, जो पल भर में आपके मूड को हल्का कर देते हैं। कुछ लोग अपने नए साल के जश्न की योजना दिल्ली के पास फार्म हाउस में बनाना चाहते हैं, और कुछ उत्तराखंड में नए साल की पार्टी/उत्सव मनाना चाहते हैं। उनके पास अनंत विकल्प हैं। लेकिन कई बार दिल्ली के पास नए साल में उत्तराखंड घूमने की बेहतरीन जगहों को चुनना उनके लिए सबसे मुश्किल फैसला हो सकता है। हम आपकी दुविधा को समझते हैं, और इसलिए हम कुछ बेहतरीन नए साल की छुट्टियों के विचार सुझाते हैं जो आपको 2022 के अंत / 2023 की शुरुआत में एक यादगार यात्रा की योजना बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं।

उत्तराखंड में नए साल का जश्न मनाने के लिए कुछ बेहतरीन स्थान यहां दिए गए हैं -

ऋषिकेश -

यदि आप एक साहसिक साधक हैं और नए साल की शुरुआत रोमांच और एक अनोखे अनुभव के साथ करना चाहते हैं तो ऋषिकेश आपके लिए है। अलाव के साथ नदी के पास डेरा डालना पार्टी को यादगार और मनोरंजक बनाता है। अगले दिन आप राफ्टिंग, ट्रेकिंग, बंजी जंपिंग, कयाकिंग और कई अन्य साहसिक गतिविधियों के लिए जा सकते हैं।

कौसानी -

कौसानी उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में पहाड़ियों की गोद में स्थित एक शांत हिल स्टेशन है। यह उन लोगों के लिए स्वर्ग है जो शहरी जीवन से भागकर खूबसूरत परिवेश में नए साल की पूर्व संध्या का आनंद लेना चाहते हैं। यह अपने प्राचीन वातावरण, चाय के खेतों, ताजी हवा और शक्तिशाली हिमालय की चोटियों जैसे त्रिशूल, और नंदा देवी के मनोरम दृश्य के लिए जाना जाता है।

औली -

औली भारत में लोकप्रिय रूप से स्की रिसोर्ट के रूप में जाना जाता है। लोग अपना क्रिसमस, न्यू ईयर इस हिल स्टेशन पर बिताना पसंद करते हैं। यह जगह अपने डीजे रातों और जंगली पार्टियों के लिए प्रसिद्ध नहीं है, लेकिन यह शांति, शांति, प्रकृति और रोमांस के लिए प्रसिद्ध है। अगर यह आपकी पत्नी के साथ आपका पहला नया साल है, तो आप इसे अपनी बकेट लिस्ट में डाल सकते हैं। यह साफ आसमान, बर्फ से ढके पहाड़ और शांत वातावरण आपके जीवन पर अमिट छाप छोड़ेंगे।

धनोल्टी और मसूरी -

नए साल में बर्फबारी देखना सोने पर सुहागा जैसा है। बर्फबारी नए साल को सभी के लिए अधिक आनंदमय और आनंदमय बना देती है। धनोल्टी और मसूरी ऐसे स्थान हैं जहां सर्दियों में अच्छी बर्फबारी होती है। अलाव के चारों ओर कैंप लगाकर आप अपने दोस्तों के साथ नए साल का आनंद ले सकते हैं और अगर आप किसी छोटी पब्लिक पार्टी में शामिल होना चाहते हैं तो मॉल रोड पर मिल सकती है। अगर मसूरी पर्यटकों से भरा हुआ है तो आप धनौल्टी की ओर ड्राइव कर सकते हैं जो 1 घंटे की दूरी पर है।

इससे पहले कि हम साल की गिनती करें, आइए नए साल के दिन के बारे में कुछ तथ्य जान लें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , साल खत्म होने को है, लेकिन वाह, 2022 एक और कठिन रहा है। हम में से अधिकांश शायद एक नया साल शुरू करने की उम्मीद कर रहे हैं ! दुनिया भर में कई जगहों पर नए साल का जश्न 31 दिसंबर से शुरू होता है। पहली जनवरी के शुरुआती घंटों में उत्सव जारी रहता है।

इससे पहले कि हम नए साल की शुरुआत करें, आइए नए साल के दिन के बारे में कुछ तथ्य जान लें।

पहला नया साल मार्च में था

नया साल हमेशा पहली जनवरी को नहीं मनाया जाता था। सबसे पहले नए साल का उत्सव लगभग 4,000 साल पहले का है। उस समय, प्राचीन बाबुल के लोग अपने नए साल की शुरुआत करते थे जिसे अब हम मार्च कहते हैं।वसंत की शुरुआत का जश्न मनाने के लिए उनका 11 दिन का त्योहार होगा। वे इस तथ्य का भी जश्न मनाएंगे कि आने वाले वर्ष के लिए फसलें लगाई जा रही थीं।

किसने इसे बदलकर 1 जनवरी किया?

आज हम जिस कैलेंडर का उपयोग करते हैं उसे ग्रेगोरियन कैलेंडर के नाम से जाना जाता है। इसे 400 साल पहले 1582 में पोप ग्रेगरी XIII द्वारा पेश किया गया था। उन्होंने

एक बार और सभी के लिए पहली जनवरी को नए साल का दिन घोषित किया। तब से अधिकांश पश्चिमी दुनिया वर्ष की शुरुआत का जश्न मनाती है जैसे आप करते हैं - जनवरी के पहले दिन।

हर कोई कैसे मनाता है?

हां उत्तरी अमेरिका में, आमतौर पर नए साल की शुरुआत पार्टियों के लिए परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर करते हैं। या यहां तक कि विशेष भोजन और शानदार आतिशबाजी का प्रदर्शन। ग्रीस में, एक सोने या चांदी के सिक्के को केक में बेक किया जाता है, जिसे वैसिलोपिटा कहा जाता है। कहा जाता है कि जिस व्यक्ति को केक का टुकड़ा अंदर सिक्के के साथ मिलता है, वह शेष वर्ष के लिए भाग्यशाली होता है। स्पेन में नए साल की पूर्व संध्या पर 12 महीने की खुशियां लाने के लिए आधी रात को 12 अंगूर खाते हैं।

जबकि बोलिविया में, परिवार अक्सर सौभाग्य के लिए अपने घरों के बाहर छोटी-छोटी गुड़िया लटकाते हैं।

जापान में, नए साल की पूर्व संध्या पर आधी रात को घंटियाँ और घड़ियाल बुरी आत्माओं को भगाने के लिए बजते हैं। पुराने साल को पीछे छोड़ने और नए साल का स्वागत करने के लिए, डच लोग क्रिसमस ट्री का उपयोग करके सड़क पर अलाव जलाते हैं। पुर्तगाली बच्चे घर-घर जाते हैं और पड़ोसियों के लिए गीत गाते हैं। बदले में उन्हें

मिठाई और सिक्के मिल सकते हैं।

आतिशबाजी के साथ क्या है?

आतिशबाजी की उत्पत्ति सदियों पहले हुई थी और माना जाता है कि इसका आविष्कार चीनियों ने किया था। कहा जाता है कि वे बुरी आत्माओं को दूर भगाते हैं और अच्छी किस्मत लाते हैं, जिससे वे नए साल की शुरुआत करने का एक सही तरीका बन जाते हैं!

सबसे पहले कौन मनाता है... और आखिर में?

नए साल का स्वागत करने वाले पहले लोगों में से एक बनना चाहते हैं? तब आप किरिबाती के छोटे प्रशांत द्वीप राष्ट्र की यात्रा करना चाहेंगे। यह दुनिया के शुरुआती समय क्षेत्र में स्थित है, इसलिए नए साल का स्वागत करने के लिए यह हमेशा पृथ्वी पर पहला स्थान होता है।आने वाले वर्ष में बजने वाली अंतिम जगह के रूप में? वह शीर्षक दक्षिण प्रशांत महासागर में अमेरिकी समोआ का है।

नए साल को यादगार बनाने उत्तराखंड आये पर्यटक : सतपाल महाराज

सरकार दे रही है 'स्नो वेडिंग' को बढावा: महाराज

आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर , आप देवभूमि उत्तराखंड आइए और अपनी जीवनसंगिनी के साथ कुदरत के दिलकश नज़ारों के बीच लीजिए सात फेरे। ये आमंत्रण दे रहे हैं उत्तराखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज , उन्होंने कहा है कि नए साल के पहले दिन काफी पर्यटक देश-विदेश के अलग-अलग स्थानों से उत्तराखंड के पहाड़ी स्थानों पर घूमने के लिए आते रहते हैं। ऐसे में अगर आप नए साल के पहले दिन को यादगार बनाने के लिए उत्तराखंड के पहाड़ी स्थानों में घूमने के लिए आ रहे है तो ये प्लान आपका काफी शानदार विकल्प हो सकता है।

देश दुनिया के सैलानियों से अपील करते हुए महाराज कहते हैं कि बात नए साल में पर्यटकों को उत्तराखंड आये। उन्होंने उम्मीद जताई है कि नए साल की शुरुआत के दौरान उत्तराखंड में अगर मौसम ने साथ दिया तो काफी पहाड़ी जगहों पर पर्यटक आने वाले दिनों में बर्फवारी का लुफ्त उठा सकते हैं। इसलिए पर्यटकों से अनुरोध है कि वह नए साल को सेलिब्रेट करने के लिए उत्तराखण्ड आने से पूर्व होटल, गेस्ट हाउस और होमस्टे के लिए समय से अपनी बुकिंग करवा लें। क्योंकि समय पर होटल बुक न करने वाले पर्यटकों को होटल, कैम्प की सुविधा मिलना मुश्किल हो जाता है। मंत्री महाराज ने कहा कि उत्तराखंड में देहरादून, मसूरी, धनोल्टी, चकराता, औली, लैंसडौन, नैनीताल, मुक्तेश्वर, कौसानी, रानीखेत, टिहरी झील, ऋषिकेश, नई टिहरी आदि प्रमुख स्थलों में देश-विदेश के सैलानी हर साल नए साल का जश्न मनाने पहुंचते हैं। इस बार भी नए साल में बड़ी संख्या में पर्यटकों के उत्तराखंड पहुंचने की संभावना है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि राज्य सरकार स्नो वेडिंग को भी लगातार बढ़ावा दे रही है, जिसके परिणामस्वरूप उत्तराखंड में इन दिनों स्नो वेडिंग का ट्रेंड बढ़ रहा है।

देश के अनेक हिस्सों के युवा अब बर्फबारी के बीच सात फेरे लेने के लिए यहां आ रहे हैं। उन्होने बताया कि उत्तराखंड के नैनीताल, अल्मोड़ा मसूरी और जोशीमठ के औली सहित त्रियुगीनारायण में शादी करने वाले लोग लगातार संपर्क कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि किन जगहों पर आने वाले दिनों बर्फबारी हो सकती है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखंड में बीते कुछ सालों से इस तरह की शादियां हुई हैं और अब उत्तराखंड वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में नई पहचान भी ले रहा है। उन्होने कहा कि उनका विभाग लगातार मौसम विभाग से समन्वय बनाकर उत्तराखंड में कब कहां कैसे बर्फबारी होगी? इस खबर को भी लगातार सर्कुलेट करवाने का प्रयास कर रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस बात की जानकारी मिल सके कि उत्तराखंड में कब और कहां-कहां बर्फबारी शुरू होगी। तो अगर आप रोमांटिक रोमांचक और यादगार शादी करने की सोच रहे हैं तो महाराज का निमंत्रण ज़रूर स्वीकार करें।

मसूरी विंटर कार्निवाल में सीएम धामी ने दौड़ाई साईकिल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से मसूरी विंटर कार्निवाल के अंतर्गत साइकिल रैली का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मसूरी विंटर कार्निवाल पर्यटन को बढ़ावा देने वाला उत्सव है। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह साइकिल रैली देहरादून से मसूरी तक होगी।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड का नैसर्गिक सौन्दर्य पर्यटकों को आकर्षित करता है। राज्य सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य में सड़क, हवाई एवं रेल कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हो रहा है। राज्य में नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित किए जा रहे हैं।इस अवसर पर जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, अपर जिलाधिकारी के के मिश्रा, जिला पर्यटन अधिकारी जसपाल चौहान, जिला कमांडेंट होमगार्ड डॉ. राहुल सचान उपस्थिति थे।

बिजली की दरों में बृद्धि पर तमतमाए नेता विपक्ष यशपाल आर्य का आरोप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर , नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि , उत्तराखंड सरकार का उत्तराखंड पावर कारपोरेशन अपने नकारेपन की सजा बिजली की दरों में बृद्धि कर जनता को देना चाहता है। ऊर्जा प्रदेश का नारा देने वाली सरकार बिजली की दरें बढ़ाकर उपभोक्ताओं की जेब खाली करने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने बताया कि , यदि विद्युत नियामक आयोग ने पावर करोपोरेशन के प्रस्ताव को मान लिया तो नए साल में उत्तराखंड के बिजली उपभोक्ताओं को वर्तमान से लगभग 17 प्रतिशत अधिक धनराशि बिजली बिल के रूप में देनी होगी।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन ने आने वाले साल के लिए बिजली दरों में 7.72 प्रतिशत बृद्धि करने

का प्रस्ताव भेजा था जिसे नियामक आयोग ने वापस कर लिया था अब फिर एक बार पावर कॉर्पोरेशन ने दरों में लगभग 17 प्रतिशत बृद्धि का प्रस्ताव भेजा है । याने यदि नियामक आयोग ने पावर कॉर्पोरेशन के प्रस्ताव को ज्यों का त्यों स्वीकार किया तो उपभोक्ताओं की जेब पर 17 प्रतिशत और बोझ पड़ेगा। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि , अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार के कारण उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन की हालत खराब है। लाइन लॉस और कम राजस्व वसूली के कारण निगम को 30 प्रतिशत का नुकसान हों रहा है। यदि इस नुकसान को ठीक कर लिया जाय तो राज्य में आने वाले 25 सालों तक बिजली की दरों को बढ़ाना ही नहीं पड़ेगा।

यशपाल आर्य ने कहा कि , आम जनता केंद्र सरकार की उपेक्षापूर्ण नीतियों से पहले ही त्रस्त है। महंगाई पर न केन्द्र और न राज्य सरकार के स्तर से कोई नियंत्रण किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा पिछले दो वर्ष के अंतराल में दूसरी बार विद्युत बिलों में वृद्धि से प्रदेश की जनता पर महंगाई का एक और बोझ सरकार द्वारा लगाया है। एक तरफ महंगाई की मार से लोग परेशान हैं, ऊपर से बिजली की दरों में बढ़ोतरी कर सरकार आमजन को दोहरा झटका दे रही है।यूपीसीएल ने 15 दिसंबर को नियामक आयोग में जो टैरिफ बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है, उसमें 6.5 प्रतिशत बढ़े हुए सरचार्ज को भी शामिल कर लिया।

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि , नियमानुसार यूपीसीएल को अपने टैरिफ प्रस्ताव में एक सितंबर से पूर्व की दरें बताते हुए, उसमें जरूरत के हिसाब से नई दरों को जोड़कर प्रस्ताव देना था । मसलन, घरेलू श्रेणी में 0-100 यूनिट वालों के लिए बिजली दर 2.90 रुपये प्रति यूनिट थी जो कि एक सितंबर से 31 मार्च 2023 तक 2.95 रुपये प्रति यूनिट हुई थी। यूपीसीएल को नए टैरिफ प्रस्ताव में पुरानी यानी 2.90 रुपये प्रति यूनिट को ही बेस बनाकर बढ़ोतरी की मांग करनी चाहिए थी। लेकिन यूपीसीएल अपने घाटे को भी खर्चे बताकर नियामक आयोग को प्रस्ताव भेज रहा है इसलिए 17 प्रतिशत की बृद्धि चाहता है।

उत्तराखण्ड महिला अंडर 19 क्रिकेट टीम को सीएम धामी, सचिव महिम वर्मा और दिग्गज पीसी वर्मा ने दी बधाई

मोहम्मद सलीम सैफ़ी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसम्बर , मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड महिला अंडर 19 क्रिकेट टीम के सम्मान समारोह में उत्तराखण्ड महिला अंडर 19 क्रिकेट टीम के सदस्यों को सम्मानित किया। उन्होंने उत्तराखण्ड की अंडर 19 महिला टीम को बीसीसीआई की चैंपियनशिप जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए खिलाड़ियों को मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान करने वाली क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड को भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आज हमारे युवा देश-विदेश में उत्तराखण्ड का नाम रोशन कर रहे हैं। राज्य स्तरीय खेलों से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित खेलों में प्रदेश के खिलाड़ियों का प्रदर्शन हम सभी प्रदेशवासियों को एक सम्मान प्रदान करता है। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड द्वारा राज्य के कोने-कोने से ऊर्जावान व प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एक टीम के रूप में एकत्र करना ,अपने आप में एक अभूतपूर्व कार्य है। आज संपूर्ण विश्व युवा भारत के आप जैसे ऊर्जावान युवाओं के सामर्थ्य से परिचित हो रहा है। खेल के मैदान में जब हमारे देश का युवा उतरता है, तो भारत की शक्ति का परिचय पूरी दुनिया को देता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब हमारे प्रदेश के योग्य खिलाड़ियों को क्रिकेट एसोसिएशन न होने के कारण या ता अवसर नहीं मिल पाता था, या उन्हें अन्य राज्यों को ओर से खेलना पड़ता था। परंतु वर्ष 2019 में राज्य में क्रिकेट एसोसिएशन के गठन के बाद से राज्य में क्रिकेट और खिलाड़ियों के विकास में सहायता मिली है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को आर्थिक समृद्धि प्रदान करने के लिए सरकारी नौकरियों में खेल कोटे को पुनः लागू करने का निर्णय लिया है। राज्य के युवा खिलाड़ियों को हर प्रकार की सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए भी हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। एसोसिएशन के खिलाड़ियों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय टीम की ओर से खेला जाना, हम सभी के लिए गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में क्रिकेट के साथ ही अन्य खेलों के विकास एवं खिलाडियों की सुविधा के लिये जो भी हितकर होगा वह किया जायेगा। उन्होंने कहा कि 2025 में हमारे खिलाडी खेलों में भी प्रदेश का नाम रोशन कर नया इतिहास लिखने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाला समय हमारे उर्जावान खिलाडियों का है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, क्रिकेट एशोसियेशन ऑफ उत्तराखण्ड के अध्यक्ष जोत सिंह गुनसोला, सचिव महिम वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट, पद्मश्री आर0के0जैन, विशेष प्रमुख सचिव अभिनव कुमार, पीसी वर्मा आदि उपस्थित थे।

मोबाइल फोन में एक तरह का चार्जर होगा इस्तेमाल, आदेश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , भारत सरकार ने उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को कम करने के प्रयास से मोबाइल चार्ज करते वक्त इस्तेमाल होने वाले चार्जर में बड़ा बदलाव किया है। सभी तरह के फोन और स्मार्टफोन के लिए एक ही तरह के यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट को इस्तेमाल करने को कहा है, और इसे लागू करने के दिन को भी फाइनल कर दिया है।

क्या कहा गया है आदेश में ?

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने यूएसबी टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट के लिए मानक जारी किए हैं, जिनका उपयोग मोबाइल फोन, स्मार्टफोन और टैबलेट के लिए किया जाएगा। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने दावा किया कि स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप के चार्जिंग पोर्ट के रूप में यूएसबी टाइप-सी को अपनाने को लेकर लगभग कंपनियां सहमत हो गई हैं। सरकार इसे दिसंबर 2024 से लागू करेगी। यूरोपीय संसद (European Parliament) ने एक प्रस्ताव पारित किया है जिसमें कहा गया है कि 2024 के अंत तक आईफोन और एयरपोड्स सहित सभी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स अपने मानक चार्जिंग पोर्ट के रूप में यूएसबी टाइप-सी का उपयोग करेंगे। 2026 से यह नियम लैपटॉप के लिए भी लाया जा सकता है।

अलग चार्जर की आवश्यकता नहीं होगी

नए नियमों के तहत उपभोक्ताओं को अब हर बार नया उपकरण खरीदने पर अलग चार्जर की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि वे छोटे और मिड साइज के पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की पूरी कैटेगरी के लिए एक ही चार्जर का उपयोग करने में सक्षम होंगे। उनके निर्माता के बावजूद, सभी नए मोबाइल फोन, टैबलेट, डिजिटल कैमरा, हेडफोन और हेडसेट, हैंडहेल्ड वीडियो-गेम कंसोल और लैपटॉप जो एक वायर्ड केबल के माध्यम से रिचार्जेबल होते है, जो 100 वाट तक की पावर डिलीवरी के साथ काम करते हैं, उन्हें यूएसबी टाइप-सी पोर्ट के साथ सुसज्जित करना होगा।

सभी डिवाइस में अब चार्जिंग स्पीड समान

फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करने वाले सभी डिवाइस में अब चार्जिंग स्पीड समान होगी, जिससे यूजर्स अपने डिवाइस को किसी भी संगत चार्जर से समान स्पीड से चार्ज कर सकेंगे।

2023 : नए साल पर बाहर से उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों के लिए रूट मैप तैयार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर ,नए साल में बाहर जनपदों के पर्यटकों को उत्तराखंड में स्वागत करने के लिए पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है पर्यटकों को जाम का सामना न करना पड़े इसके लिए ट्रैफिक प्लान तैयार किया गया है दिल्ली यूपी से आने वाले पर्यटकों के लिए रुद्रपुर टांडा हल्द्वानी रोड बंद किया गया है पर्यटक इच्छा पंतनगर लाल कुआं होते हुए हल्द्वानी और पहाड़ों की ओर से रुक करेंगे जबकि देहरादून आदि जगहों से आने वाले पर्यटकों को काशीपुर से रामनगर की एंट्री बंद की गई है रामनगर या अन्य जगहों में जाने वाले पर्यटकों को बाजपुर बरहनी होते हुए कालाढूंगी पहुंचना होगा बाहरी राज्यों से नए साल के जश्न को मनाने के लिए उधम सिंह नगर होते हुए भारी संख्या में पर्यटक सरोवर नगरी नैनीताल को आते हैं 25 दिसंबर से भारी संख्या में नए साल का आगाज करने के लिए लोगों का आना शुरू हो गया है ऐसे में उधमसिंह नगर पुलिस ने इसका असर ट्रैफिक समस्या में न पड़े इसके लिए रूट मैप तैयार किया है.

हिल स्टेशन को जाने वाले पर्यटकों के लिए डायवर्जन किया गया है जबकि दया दुनिया

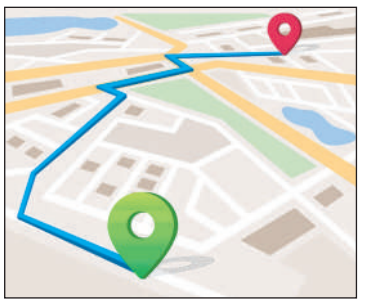

नैनीताल जाने वाले यात्रियों के लिए अलग रोडमैप तैयार किया है नैनीताल जाने के लिए प्रेरकों को बाजपुर कालाढूंगी पहुंचना होगा काशीपुर रामनगर सड़क को पुलिस ने पर्यटकों के लिए बंद किया है बरेली लखनऊ अन्य राज्यों के प्रेरकों के लिए टांडा सड़क को बंद किया है।पर्यटकों के लिए किच्छा पंतनगर लाल कुआं होते हुए हल्द्वानी और अन्य स्थानों में जाने के लिए रूट तैयार किया है पर्यटकों का शहर में एंट्री नहीं दी जाएगी ताकि याद याद स्वास्थ्य आदित्य ना हो उन्होंने कहा है कि जो भी थर्टी फर्स्ट और नए साल पर शराब पीकर हुड़दंग मचाएगा ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस के द्वारा तैयारी की गई है. उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी

राहुल गांधी हैं भगवान राम और सुपर ह्यूमन : सलमान खुर्शीद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर , आजकल जहाँ देखिये लोग एक ही चर्चा कर रहे हैं , कभी हाशिये पर रही कांग्रेस और उसके युवराज आजकल सुर्ख़ियों में हैं। इसी बीच राहुल गाँधी का अलग अलग अवतार , वीडियो , तस्वीरें और बयान मीडिया में खूब दिखाए जा रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा, उत्तर प्रदेश के कोऑर्डिनेटर सलमान खुर्शीद ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा लोगों के दिलों को जोड़ने का काम कर रही है. उन्होंने कहा राहुल गांधी सुपर ह्यूमन हैं.

जब इस वक्त में कड़ाके की ठंड में लोग ठिठुर रहे हैं और जैकेट पहन रहे हैं, तभी राहुल गांधी टी-शर्ट (अपनी भारत जोड़ो यात्रा के लिए) में बाहर जा रहे हैं. वह एक योगी की तरह हैं जो अपनी 'तपस्या' ध्यान से कर रहे हैं.

भगवान राम की 'खड़ाउ' बहुत दूर तक जाती है. कभी-कभी जब राम जी नहीं पहुंच पाते तो भरत खड़ाऊ लेकर जगह-जगह जाते हैं. ऐसे ही हमने यूपी में खड़ाऊ

चलाया है. अब खड़ाऊ यूपी पहुंच गया है, राम जी (राहुल गांधी) भी आएंगे.उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा देश में लोगों को जोड़ने का काम कर ही है. वहीं भाजपा वाले इस यात्रा से बौखला गए है और कोविड का हवाला देकर रोकने चाहते है. उन्होंने कहा जब तक कोविड का सही प्रमाण नहीं मिलेगा। यात्रा को नहीं रोका जाएगा.

यह यात्रा तीन जनवरी से उत्तर प्रदेश में भी शुरू की जाएगी. सलमान खुर्शीद ने कहा कि हम ऊपर वाले से प्रार्थना करते हैं कि कभी कोरोना जैसी महामारी भारत में ना आए.

उन्होंने कहा कि अभी किसी भी वैज्ञानिक ने नहीं कहा है कोरोना का डर और उससे सतर्क रहने के लिए नहीं कहा है.पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, "यूपी में तीन जनवरी को भारत जोड़ो यात्रा प्रवेश कर रही है. इस यात्रा में शामिल होने के लिए अखिलेश यादव और मायावती को भी निमंत्रण भेजा जाएगा. हम उन सभी दलों को निमंत्रण भेजेंगे जिनकी विचार धारा हम से मिलती है.

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर मंजूनाथ टीसी की पुलिस कल्याण हेतु अनोखी पहल ...

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुर्घटना व घने कोहरे से बचाव हेतु आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ द्वारा पुलिस कार्यालय रुद्रपुर, डीडी चौक व इंद्रा चौक रुद्रपुर में पुलिस कल्याण हेतु सीएसआर स्कीम के अंतर्गत 800 रिफ्लेक्टर जैकेट बांटे गएउधम सिंह नगर में बदलते हुए मौसम, घने कोहरे व दुर्घटना से बचाव हेतु ड्यूटीरत सिविल पुलिस व ट्रैफिक पुलिस के उप निरीक्षक व आरक्षियों को पुलिस कल्याण हेतु CSR स्कीम के अंतर्गत हिंदुस्तान जिंक द्वारा उपलब्ध कराए गए 800 रेडियम रिफ्लेक्टर जैकेट का वितरण किया गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ द्वारा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को ड्यूटी संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए ।

प्रारूप संख्या यूआरसी–2

अध्याय XXI के भाग 1 के अधीन रजिस्ट्रीकरण की सूचना का विज्ञापन

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374(ख) और (कंपनी रजिस्ट्रीकरण के लिए प्राधिकृत) नियम, 2014 के नियम 4(1) के अनुसरण में)

1– सूचना दी जाती है कि कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 366 की उपधारा (2) के अनुसरण में रजिस्ट्रार केन्द्रीय पंजीकरण केन्द्र (CRC) भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान, (IICA) प्लाट नं0 6, 7, 8 सैक्टर–5 आईएमटी मानेसर, जिला गुरूग्राम, हरियाणा–122050 को आवेदन किया गया है कि औरा रिसॉर्ट्स भागीदारी फर्म अस्तित्व को कंपनी अधिनियम 2013 के अध्याय XXI के भाग 1 के अधीन शेयरों द्वारा सीमित कम्पनी के रूप में रजिस्टर किया जाए।

2– कंपनी के मूल उद्देश्य इस प्रकार है–

- औरा रिसॉर्ट्स के मौजूदा कारोबार को उसकी सभी मौजूदा सम्पत्ति और देनदारियों के साथ टेकओवर करना और टेकओवर के बाद मौजूदा इकाई अस्तित्व में नहीं रहेगी।
- होटल व्यवसायी, होटल मालिक, होटल प्रबंधक के रूप में व्यवसाय करना, और ऑपरेटरों, जलपान ठेकेदारों और कैटरर्स, रेस्तरां, बैंक्वेट हॉल, दूध और स्नैक बार के मालिक, कैफे और मधुशाला, प्रोपराइटर, लॉजिंग हाउस प्रोपराइटर, आइसक्रीम व्यापारी, मिठाई के व्यापारी, दूध निर्माता के रूप में कार्य करने के लिए।

3– प्रस्तावित कंपनी के प्रारूप संगम और अनुच्छेद ज्ञापन की प्रतिलिपि का निरीक्षण खसरा नं0 106 मि0, मौजा कुथल गांव, मसूरी रोड परगना पछवा दून, जिला देहरादून, उत्तराखण्ड पिन 248001 स्थित कार्यालय में किया जा सकता है।

4– सूचना दी जाती है कि यदि किसी व्यक्ति को इस आवेदन पर आपत्ति है तो वह लिखित में अपनी आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन के इक्कीस दिन के भीतर रजिस्ट्रार, केन्द्रीय पंजीकरण केन्द्र (सीआरसी) भारतीय कॉर्पोरेट मामलों के संस्थान (IICA) प्लॉट नं0 6, 7, 8 सैक्टर–5 आईएमटी मानेसर, जिला गुरूग्राम हरियाणा पिन कोड–122050 पर भेज दें तथा इसकी एक प्रति कम्पनी के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय खसरा नं0 106 मि0, मौजा कुथल गांव, मसूरी रोड परगना पछवा दून, जिला देहरादून, उत्तराखण्ड पिन 248001 पर भेज दे।

fnukd & 26-12-2022
LFkku & ngjknuA

औरा रिसॉर्ट्स
राघव खुराना
पार्टनर

सामने आई भारत बायोटेक की इंट्रानेजल कोविड वैक्सीन की कीमत, जानिए कितनी होगी कीमत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

फार्मा प्रमुख ने मंगलवार को कहा कि भारत बायोटेक का इंट्रानैसल कोविड-19 वैक्सीन- iNCOVACC (BBV154) सरकारी अस्पतालों में 325 रुपये प्रति खुराक और निजी सेटिंग में 800 रुपये में उपलब्ध होगा। iNCOVACC CoWin प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध होगा और जनवरी के चौथे सप्ताह में शुरू किया जाएगा। भारत बायोटेक के इंट्रानेजल वैक्सीन को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 18 वर्ष और उससे अधिक आयु वालों के लिए बूस्टर खुराक के रूप में अनुमोदित किया गया था।

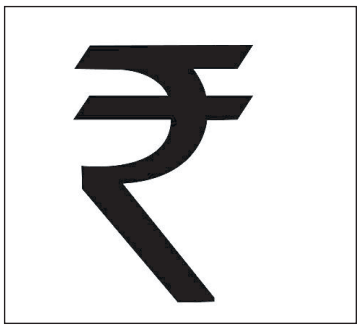

नाक के टीके के लिए कहां आवेदन करें?

वैक्सीन CoWIN ऐप पर आज से उपलब्ध होगी। CoWIN प्लेटफॉर्म को भी इस संबंध में संशोधित किया जाएगा। कोई भी अपने CoWIN खाते में साइन इन कर सकता है और वैक्सीन स्लॉट के लिए आवेदन कर सकता है। निजी अस्पतालों में टीका उपलब्ध होगा और आज से कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रमों में शामिल किया जाएगा।

नाक के टीके के लिए कौन पात्र है?

18 वर्ष से अधिक आयु के लोग आईएनसीओवीएसीसी नाक का टीका प्राप्त कर सकते हैं जिसे भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसका उपयोग हेट्रोलॉगस बूस्टर खुराक के रूप में किया जाएगा। उनके इंजेक्शन समकक्षों की तुलना में नाक के टीकों के कई लाभ हैं। भंडारण, वितरण और कम अपशिष्ट उत्पादन में आसानी के अलावा, नाक के टीके वायरस के प्रवेश बिंदुओं - नाक या ऊपरी श्वसन पथ पर भी सुरक्षा प्रदान करते हैं।

ठंड में गर्म पानी पीने से क्या होता है? जानें 4 कारण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , सर्दियों में गर्म पानी पीने के फायदेः सर्दियों में अक्सर गर्म पानी पीने को कहा जाता है। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि इसका कारण क्या है। आइए हम आपको बताते हैं इसकी सही वजह। सर्दियों में गर्म पानी पीने के फायदेः सर्दियों में अक्सर गर्म पानी पीने को कहा जाता है। लेकिन, कभी आपने सोचा है कि इसका कारण क्या है। आइए हम आपको बताते हैं इसकी सही वजह।

1. ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है

सर्दियों में तापमान के कम होने के साथ ब्लड वेसेल्स सकड़ी हो जाती हैं। ऐसे में ब्लड सर्कुलेशन धीमा रहता है जिसकी वजह से आपको ज्यादा ठंड महसूस होती है। साथ ही आपको हाई बीपी की समस्या भी हो सकती है। ऐसी स्थिति में गर्म पानी पीना ब्लड वेसेल्स को चौड़ा करता है और ब्लड सर्कुलेशन को सही करता है। इससे शरीर में गर्मी महसूस होने के साथ दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

2. कंजेशन नहीं होता

कंजेशन यानी सीने में बलगम जमना या कफ जमने से सर्दियों में लोग सबसे ज्यादा परेशान रहते हैं। ऐसे में गर्म पानी पीने से बलगम पिघलाने और इसे शरीर से बाहर निकालने में मदद मिलती है। इसका मतलब यह है कि गर्म पानी पीने से खांसी और नाक बहने की समस्या कम होती है। इसके अलावा आपको साइनस जैसी एलर्जी भी परेशान नहीं करती।

3. जोड़ों में अकड़न कम होती है

सर्दियों में अक्सर लोगों को जोड़ों में दर्द या अकड़न की समस्या होने लगती है। ये समस्या खराब ब्लड सर्कुलेशन के कारण होती है। दरअसल, खराब ब्लड सर्कुलेशन की वजह से जोड़ों के बीच अकड़न बढ़ती है। इसके अलावा जोड़ों के बीच नमी की कमी भी इस समस्या को बढ़ावा देती है। ऐसे में गर्म पानी पीना ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने के साथ जोड़ों की नमी बढ़ाने का काम करता है। इससे जोड़ों में दर्द की समस्या कम होती है।

4. कब्ज की समस्या नहीं होती

सर्दियों में अक्सर लोग कब्ज की समस्या की शिकायत करते हैं। ऐसे में गर्म पानी पीना सर्दियों में स्लो हुए मेटाबोलिज्म को तेज करता है और पाचन क्रिया में तेजी लाता है। शरीर में शरीर में हाइड्रेशन को बहाल करता है जिससे आपको कब्ज की समस्या नहीं होती है।

गर्म पानी पीने का सही तरीका

सर्दियों में गर्म पानी पीना अच्छी चीज है लेकिन इसे ज्यादा पीना किडनी और शरीर की स्किन को नुकसान भी पहुंचा सकता है। ऐसे में गर्म पानी पिएं लेकिन 4 गिलास से ज्यादा नहीं। 57.8°C से ज्यादा गर्म पानी के सेवन से भी बचें। अगर आपको ठंडा पानी नहीं पिया जाता है तो गर्म पानी मिला कर उसका ठंडापन मार दें लेकिन, ज्यादा गर्म पानी पीने से बचें।

कोरोना के बाद जानलेवा 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' का खतरा बढ़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

साल 2019 के अंत में चीन के वुहान में कोरोना वायरस मिला, जो इंसानी आंखों से दिखाई नहीं देता था, लेकिन इसने लाखों लोगों की जान ले ली। इसी तरह बहुत से दूसरी परजीवी भी हैं, जो दिखाई तो नहीं देते, लेकिन इंसानी शरीर को इतना ज्यादा नुकसान पहुंचा देते हैं कि वो खोखले हो जाते हैं। अब एक अमीबा ने डॉक्टरों की टेंशन बढ़ा दी है, जो इंसान के शरीर में घुसकर उनका दिमाग खा रहा है।

अचानक शख्स पड़ा बीमार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के आयोव में एक शख्स स्विमिंग कर रहा था। वहां पर उसकी तबीयत ठीक थी, लेकिन घर पहुंचने के बाद उसकी हालत खराब हो गई। आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने शुरू में जांच की तो कुछ भी नहीं मिला, साथ ही उसकी कोई खास मेडिकल हिस्ट्री भी नहीं थी।दक्षिण कोरिया में नेगलेरिया फाउलेरी यानी 'ब्रेन-ईटिंग अमीबा' संक्रमण का पहला मामला सामने आया है। कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम

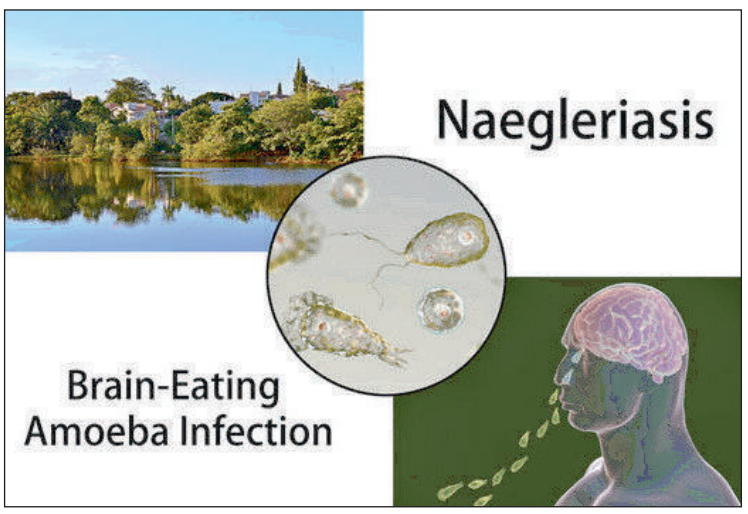

एजेंसी (केडीसीए) ने पुष्टि की है कि एक कोरियाई नागरिक, जिसकी थाईलैंड से लौटने के बाद मृत्यु हो गई थी, वह नेगलेरिया फाउलेरी से संक्रमित था। यह एक ऐसी बीमारी है, जो मानव मस्तिष्क को नष्ट कर देता है। दक्षिणपूर्व एशियाई देश में चार महीने रहने के बाद 50 वर्षीय व्यक्ति 10 दिसंबर को कोरिया वापस आया और अगले दिन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पिछले सप्ताह मंगलवार को उसका निधन हो गया।

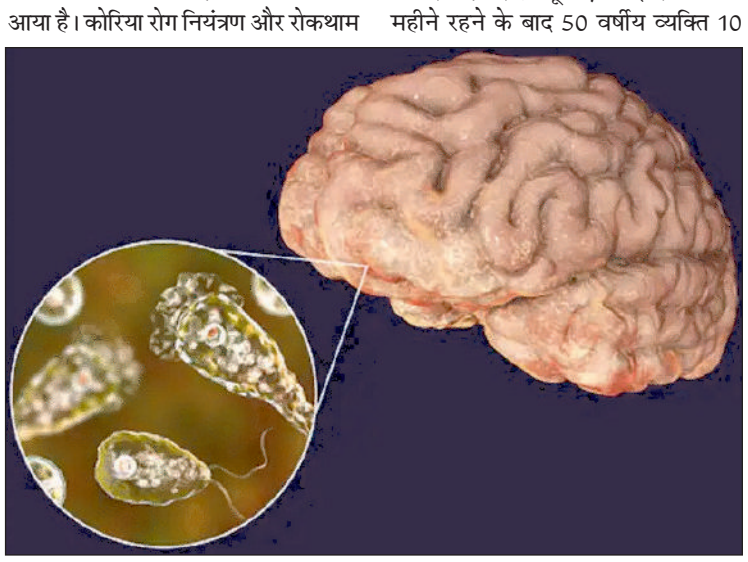

यह देश में इस बीमारी से होने वाला पहला मामला है, जिसे पहली बार 1937 में संयुक्त राज्य अमेरिका में दर्ज किया गया था। बता दें, नेगलेरिया फॉवलेरिया एक अमीबा है, जो आमतौर पर दुनिया भर में गर्म मीठे पानी की झीलों, नदियों, नहरों और तालाबों में पाया जाता है। अमीबा नाक के माध्यम से सांस में जाता है और फिर मस्तिष्क में समा जाता है।

मानव-से-मानव में फैलने की संभावनाएं कम

केडीसीए ने कहा कि नेगलेरिया फाउलेरी के मानव-से-मानव में फैलने की संभावनाएं कम हैं, लेकिन स्थानीय निवासियों को उन क्षेत्रों में जाने से परहेज करने के लिए कहा है, जहां बीमारी फैल गई है। अमेरिका, भारत और थाईलैंड सहित दुनिया में 2018 तक नेगलेरिया फाउलेरी के कुल 381 मामले दर्ज किए गए थे।

कंप्यूटर के सामने बैठने से हो गई कंधे और गर्दन में अकड़न, तो करे ये काम मिलेगा आराम

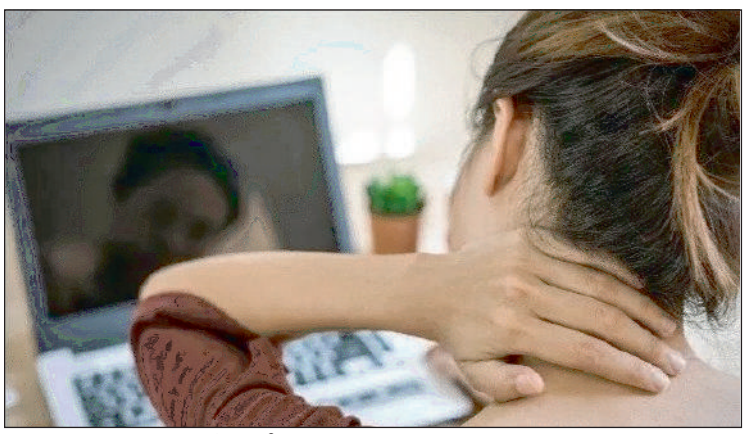

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर। डेस्क जॉब वालों के साथ सबसे बड़ी प्रॉब्लम होती है कि लगातार कंप्यूटर और लैपटॉप के सामने बैठने की वजह से सिर्फ कमर दर्द की ही प्रॉब्लम नहीं होती बल्कि इससे गर्दन और कंधे में भी दर्द और अकड़न की शिकायत बनी रहती है। कई बार तो यह दर्द इतना ज़्यादा बढ़ जाता है. कि लोगों को दवाई लेनी पड़ती है। तो अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं, तो यहां बताए जा रहे योगासनों का शुरू कर दें अभ्यास। इनके नियमित अभ्यास से जल्द कंधे और गर्दन के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। इस आसन को आप आराम से अपनी कुर्सी पर बैठकर भी कर सकते हैं।

इसके लिए एक तरफ का हाथ ऊपर उठाएंगे और पीठ के पीछे की तरफ ले जाएं। अब दूसरा हाथ नीचे की तरफ से पीठ के पीछे की तरफ लेकर जाएं। पीठ के पीछे इन दोनों हाथों को आपस में उंगलियों की मदद से पकड़ने का प्रयास करें। अब इस प्रक्रिया को दूसरी तरफ से भी कर लें।धनुरासन के नियमित अभ्यास आप एक साथ कई सारी समस्याओं से छुटकारा पा सकते हैं। इससे कमर और पीठ का दर्द तो दूर होता ही है साथ ही अपर बॉडी के खिंचाव से कंधे और गर्दन की अकड़न भी दूर होती है। इसके लिए जमीन पर पेट के बल लेट जाएं और माथे को जमीन पर टिका दें। अपने पैरों को मोड़ते हुए पीछे लाएं और अपने हाथों से पैरों की उंगलियों को पकड़ने की कोशिश करें। फिर अपने दोनों हाथों से पैरों को ऊपर की तरफ खींचे और इस पोजीशन में 20-30 सेकंड तक रहें।

इस आसान को 8-10 बार करें।इस आसन से फैट कम होता है साथ ही कमर, कंधे और गर्दन के दर्द से छुटकारा मिलता है। इसे करने के लिए जमीन पर घुटने के बल बैठ जाएं। घुटने कंधों के समानांतर हों और पैरों के तलवे ऊपर की तरफ। इसे करने के दौरान अपनी कमर को पीछे की तरफ मोड़ें। हथेलियों को पैर के पंजों पर टिकाएं और अपनी गर्दन को ढीला छोड़ दें। गर्दन पर बिल्कुल भी तनाव न दें। इस अवस्था में 30 से 60 सेकेंड तक रहें। इसके बाद सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे पुरानी अवस्था में वापस लौट आएं।

संपादकीय

भारतीय बजट से लोगों की उम्मीद

फरवरी में आने वाले आगामी वित्त वर्ष 2023-24 के बजट का इंतजार शुरू हो गया है. उत्सुकता का माहौल है, क्योंकि कोरोना के वित्तीय दुष्परिणामों के बाद अर्थव्यवस्था में तेजी से सुधार हुआ है तथा चालू वित्त वर्ष में सफलता के कुछ बड़े पैमाने भी हमने हासिल किये हैं, जिनमें विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में शुमार होना सबसे अहम है. अभी भारतीय अर्थव्यवस्था का आर्थिक स्तर चार ट्रिलियन डॉलर से थोड़ा कम है, लेकिन सकारात्मक बात यह भी है कि जर्मनी व जापान इससे थोड़ा ही ऊपर हैं. लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत आर्थिक नीतियों में दूरगामी सोच आवश्यक है. वित्तीय बजट आर्थिक नीतियों का ऐसा सम्मिश्रण होता है, जो वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ियों के आर्थिक विकास की आधारशिला रखता है. चिंता का एक सबब यह है कि चालू वित्त वर्ष के अंतर्गत तय हुए वित्तीय घाटे का स्तर शायद ऊपर निकल जाए. वर्ष 2022-23 के बजट में 6.4 प्रतिशत का वित्तीय घाटा प्रस्तावित था, पर शीतकालीन सत्र में सरकार ने तीन लाख करोड़ से अधिक के वित्तीय अनुदान की पूरक मांगों को पारित कराया है. इसके पीछे कच्चा तेल, उर्वरक तथा ग्रामीण विकास की योजनाओं पर सब्सिडी का बढ़ जाना है. अगर प्रस्तावित वित्तीय घाटे की सीमा से अर्थव्यवस्था ऊपर निकल जाती है, तो भी इससे आर्थिक विकास के स्तर में कोई घबराहट नहीं होगी क्योंकि पिछले काफी वर्षों से भारत एक ऐसी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुका है, जिस पर वैश्विक संकट का तुरंत दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है. भारत के मध्यमवर्गीय समाज की क्रय शक्ति तथा बैंकिंग नीतियों का लगातार पर्यवेक्षण बहुत मजबूत है. भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट के आंकड़े ये बताते हैं कि प्रत्यक्ष कर संग्रह का आंकड़ा बहुत सकारात्मक है तथा पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह लगभग 25 प्रतिशत अधिक है. सरकार द्वारा पूंजीगत खर्चों के लिए प्रस्तावित रकम का करीब 55 प्रतिशत हिस्सा अक्तूबर तक विभिन्न योजनाओं पर पहले से लग चुका है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक है. यह आंकड़ा थोड़ा अचंभित करता है क्योंकि चालू वर्ष में कोरोना का संकट वैक्सीनेशन के कारण लगभग नहीं था, तो पूंजीगत खर्चों का प्रतिशत अब तक तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक होना चाहिए था. इससे रोजगार के अवसर बढ़ सकते थे. अगर प्रस्तावित वित्तीय घाटे से अर्थव्यवस्था ऊपर निकल जाती है, तो नतीजतन वित्तीय ऋण व वित्तीय उधारियों की तरफ की तरफ जाना पड़ेगा. इसका प्रत्यक्ष दुष्प्रभाव पूंजीगत खर्चों में कमी के तौर पर होगा. वित्तीय कर्ज के कारण ब्याज का खर्चा बढ़ जाता है जो निश्चित रूप से बजट में प्रस्तावित नहीं होता है तथा उसकी मार पूंजीगत खर्चों पर पड़ती है.

हम हर साल संकल्प क्यों लेते हैं?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 28 दिसंबर , हम में से कई आने वाले वर्ष के लिए संकल्प करते हैं। हम खुद से वादा करते हैं कि पहली जनवरी के बाद हम कुछ बेहतर या अलग करेंगे। चाहे वह बुरी आदत छोड़ना हो या स्कूल में बेहतर ग्रेड प्राप्त करना हो। लेकिन हमें नए साल के लिए संकल्प लेने का यह विचार कहां से मिला? ऐसा माना जाता है कि प्राचीन बेबीलोनवासी नए साल के संकल्प लेने वाले पहले व्यक्ति थे। उन्होंने वर्ष को ठीक से शुरू करने और अपने देवताओं की स्वीकृति अर्जित करने का वादा किया।

नए साल के संकल्पों को निभाना इतना कठिन क्यों है?

जब आप एक संकल्प निर्धारित करते हैं और उस पर अमल करना शुरू करते हैं, तो आप मस्तिष्क में डोपामाइन नामक एक बहुत शक्तिशाली ₹न्यूरो-हार्मोन₹ को ट्रिगर करते हैं। डोपामाइन मस्तिष्क के इनाम और आनंद केंद्रों को नियंत्रित करने में मदद करता है और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। हालाँकि, जब आप अपने संकल्प को पूरा करने के लिए तैयार होते हैं, तो डोपामाइन का स्तर अधिक होता है, वे अंततः गिर जाते हैं। ₹यदि आपके पास आपको प्रेरित रखने के लिए कोई संरचना नहीं है, तो आप जिस व्यवहार में उलझे हुए हैं, वह पीछे छूट जाएगा,₹ वे कहते हैं।एक संकल्प को तोड़ने से कुछ लोगों को खुद पर संदेह हो सकता है और अंततः अपने लक्ष्यों की दिशा में काम करना बंद कर सकता है।₹सफलता की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक आत्म-आलोचना है,₹ बट्रिमर कहते हैं। ₹आप सोच सकते हैं कि खुद को प्रेरित करने के लिए आपको एक अच्छी तेज किक की जरूरत है। लेकिन वास्तव में इसका ठीक उल्टा प्रभाव पड़ता है। यह आपको बिल्कुल भी मजबूत नहीं करता है।

अपने नए साल के संकल्प कैसे रखें

1. तो आप इस वर्ष अपने संकल्पों को कैसे पूरा कर सकते हैं? बट्रिमर निम्नलिखित की सिफारिश करता है:2. दूसरों से समर्थन मांगें। अपने दोस्तों और परिवार से आपको खुश करने के लिए कहें। उन्हें अपने लक्ष्यों के बारे में बताएं और आप क्या हासिल करना चाहते हैं।3. अपने लिए एक इनाम प्रणाली बनाएँ। अल्पकालिक लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें पूरा करने के लिए खुद को पुरस्कृत करें।4. अपने आप पर दया करो। कोई पूर्ण नहीं होता है। खुद को पीटने के बजाय गहरी सांस लें और कोशिश करते रहें।

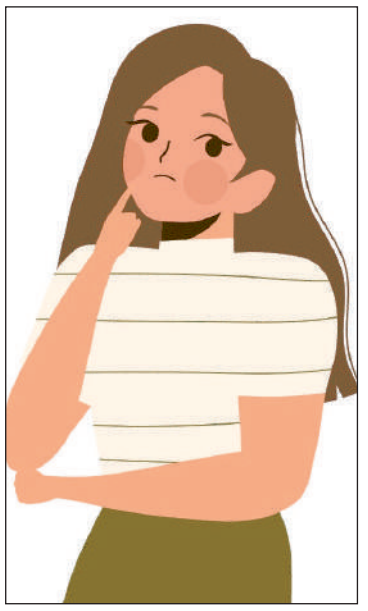

मुख्यमंत्री धामी ने फिल्म कलरव का ट्रेलर लॉन्च कर टीम को दी बधाई

देहरादून , 28 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में हिन्दी फीचर फिल्म कलरव का ट्रेलर लॉन्च किया। मुख्यमंत्री ने इस फिल्म की सफलता के लिए सभी कलाकारों को शुभकामनाएं दी। कलरव फिल्म के प्रोड्यूसर राकेश धामी ने कहा कि माया प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को रिलीज होने से पूर्व 11 अंतरराष्ट्रीय अवार्ड मिल चुके हैं। फिल्म में मुख्य कलाकार नितिन एवं अम्बिका आर्य हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर जगदीश भारती हैं। इस फिल्म का अधिकांश फिल्मांकन उत्तराखण्ड में हुआ है। यह फिल्म 06 जनवरी, 2023 को रिलीज होगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, संजय तिवारी, माया धामी, गीता उनियाल, बीना उपाध्याय एवं विदुषी उपाध्याय उपस्थित थे।

उत्तराखंड : डोबरा चांठी पुल से युवक ने टिहरी झील में लगाई छलांग, तलाश जारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंडः टिहरी गढ़वाल से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां डोबरा चांठी पुल से एक युवक ने टिहरी झील में छलांग लगा दी, घटना की सूचना मिलते ही कोटी कॉलोनी से जल पुलिस बोट लेकर झील में पहुंची, लेकिन घटनास्थल पर झील में पानी ज्यादा होने के कारण युवक का पता नहीं चल सका। इसके अलावा अंधेरा भी ज्यादा था।

इस वजह से भी तलाश करने में परेशानी सामने आई। सीसीटीवी फुटेज में एक युवक डोबरा चांठी पुल के ऊपर शांति साइड की तरफ से किसी से मोबाइल पर भी बात करता नजर आ रहा है. युवक कुछ देर पुल के किनारे बैठता है, फिर अचानक झील में छलांग लगा देता है। अभी तक झील में छलांग लगाने वाले युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने युवक की पहचान के लिए सूचना जारी की है।

कोई भी व्यक्ति अगर उक्त युवक को पहचानता हो तो वो इसकी जानकारी थाना चौकी इंचार्ज कोटी राजेंद्र सिंह रावत और लंबगांव थानाध्यक्ष महिपाल सिंह रावत दे सकता है। जिससे युवक की शिनाख्त की जा सके और उसके परिजनों को सूचना दी जा सके।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

ऑस्ट्रेलिया में उत्तराखंड की समृद्धि का मन्त्र सीख रहे मंत्री सौरभ बहुगुणा

आधुनिक भेड़ पालन विधि ट्रेनिंग को अपनाएगा उत्तराखंड : सौरभ बहुगुणा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 दिसंबर , शिक्षा योग्यता और दूरदर्शिता आज के नेताओं की सबसे बड़ी जरूरत है और अगर समाज का भला करना है तो जनप्रतिनिधियों को संवेदनशील भी होना पड़ेगा। ऐसे ही एक युवा जन प्रतिनिधि हैं उत्तराखंड सरकार के संवेदनशील कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा आम जनता से बेहद मधुर रिश्ता बनाने के साथ सरकारी योजनाओं को आम जनता तक ले जाने की कला में पारंगत सौरभ बहुगुणा सितारगंज से विधायक हैं और उनका कामकाज देखकर अंदाज़ा लगाना मुश्किल है कि मंत्री पद की बड़ी ज़िम्मेदारी वो पहली बार निभा रहे हैं। आम आदमी की बोलचाल में ये ज़रूर कहा जा सकता है कि अगर प्रदेश और देश में काबिल युवाओं के हाथ में सत्ता की बागडोर होगी तो विकास का सूरज जरूर होता है। आजकल प्रदेश सरकार में पशुपालन और रोजगार के साथ-साथ कई बड़े विभाग देख रहे कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर हैं। जहां वो उत्तराखंड में पशुपालन से जुड़ी योजनाओं को सार्थक और प्रभावी बनाने के लिए ऑस्ट्रेलिया सरकार के संबंधित विभागों का दौरा कर वहां के कामकाज को समझ रहे हैं ... इस दौरान कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा बड़ी बारीकी और

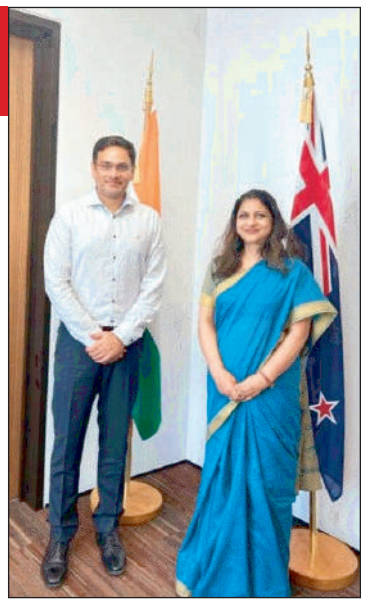

टेक्निकल काबिलियत और सूझबूझ दिखाते हुए पशुपालन , दुग्ध और कई अलग-अलग पॉइंट्स पर स्टडी भी कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2019 -20 में राष्ट्रीय पशुधन मिशन योजना अंतर्गत भारत सरकार के सहयोग से उत्तराखंड में ऑस्ट्रेलियन मैरीनों भेड़ों के आपूर्तिकर्ता रोजविले पार्क मेरिनों स्टड फार्म का डब्बों, न्यू साउथ वेल्स में भी वो पहुंचे हैं।

धामी सरकार के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा आस्ट्रेलिया के इस दौरे को सफल बनाते हुए उत्तराखंड में स्वरोजगार महिलाओं के आत्मनिर्भर बनाए जाने की योजनाओं और पशुपालकों की जिंदगी को आर्थिक और सामाजिक स्तर पर समृद्ध बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण बता रहे हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में पशुपालन विभाग एक ऐसा महत्वपूर्ण अंग है जिसको मजबूत बनाते हुए उत्तराखंड की समृद्धि और आर्थिकी को सशक्त बनाया जा सकता है। जिसमें उनका उत्तराखंड से ऑस्ट्रेलिया तक का दौरा आने वाले दिनों में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दौरान अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे में मंत्री सौरभ बहुगुणा न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग के कार्यालय पहुंचे जहाँ उच्चायुक्त नीता भूषण के साथ उत्तराखंड के कौशल विकास, पशुपालन और अन्य विभिन्न क्षेत्रों में न्यूजीलैंड के संभावित सहयोग पर चर्चा भी की। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के भेड़ पालकों की आजीविका बढ़ाने पर राज्य सरकार का पूरा जोर है। अब ऑस्ट्रेलिया के साथ एमओयू साइन होने के बाद आजीविका संवर्धन के साथ ऊन उत्पादन बढ़ाने में भी सहायता मिलेगी

ऑस्ट्रेलिया के राज्य कृषि मंत्री डगल्ड सॉन्डर्स जी के साथ निर्वाचन कार्यालय डब्बों में बैठक की। इस अवसर पर दिसम्बर 2019 में ऑस्ट्रेलिया से आयातित मैरीनो भेड़ों की सफलता पर आस्ट्रेलिया सरकार का आभार व्यक्त किया। साथ ही ऑस्ट्रेलिया के भेड़ पालकों द्वारा अपनाई जा रही तकनीकी तथा आधुनिक भेड़ पालन विधि को उत्तराखंड राज्य में अपनाने व उत्तराखंड राज्य के पशुपालकों को प्रशिक्षण व कौशल विकास तथा सूचना हस्तांतरण में न्यू साउथ वेल्स सरकार से सहयोग किये जाने का अनुरोध किया। उम्मीद की जानी चाहिए कि जिस तरह से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी 2025 तक उत्तराखंड को सर्वोत्तम राज्य बनाने के लिए पसीना बहा रहे हैं , उसमें उनके सबसे युवा और भरोसेमंद कैबिनेट मंत्री का ऑस्ट्रेलिया दौरा मील का पत्थर साबित होगा।

डीएम युगल किशोर ने कोविड -19 मॉकड्रिल के दौरान देखी स्वास्थ्य विभाग की तैयारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 28 दिसम्बर, केन्द्र सरकार से प्राप्त निर्देशों के क्रम में कोरोना की संभावित लहर से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए के जिला चिकित्सालय, उपजिला चिकित्सालय, नागरिक चिकित्सालय तथा समस्त सी०एच०सी० व पी०एच०सी० में कोविद्ध-19 मॉकड्रिल किया गया। जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने पंडित राम सुमेर शुक्ल राजकीय मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को कोविड महामारी से निपटने के लिए आयोजित मॉकड्रिल का निरीक्षण किया और कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने की स्थिति से निपटने की चिकित्सा विभाग की तैयारियों का जायजा लिया। मॉकड्रिल के निरीक्षण हेतु जिलाधिकारी ने सम्बन्धित क्षेत्रों के उपजिलाधिकारियों को तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जिला चिकित्सालय, उपजिला चिकित्सालय तथा समस्त सी०एच०सी० के चिकित्सालयों की मॉनिटरिंग हेतु जनपद स्तरीय चिकित्साधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया।

. जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त तथा मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.सुनीता चुफाल रतूड़ी द्वारा स्वयं मेडिकल कॉलेज, रूद्रपुर में मौकड्रिल का निरीक्षण किया तथा चिकित्सालय में स्थित आक्सीजन सिलेण्डर, आक्सीजन कसंनट्रेटर, आक्सीजन बेड, वेंटिलेटर आई०सी०यू० बेड आदि के संचालन व अद्यतन स्थिति का निरीक्षण किया। उपजिलाधिकारियों ने मॉकड्रिल में कोरोना की संभावित लहर से निपटने के लिए कोविड-19 से संक्रमित मरीजों के परिहवन, उपचार हेतु डॉक्टर्स, पैरामेडिकल स्टाफ की कार्य प्रणाली, हैल्प डेस्क के अन्तर्गत 9 बिन्दुओं, सिक्योरिटी के अन्तर्गत 2 बिन्दुओं, स्क्रीनिंग

एरिया के अन्तर्गत 4 बिन्दुओं, एक्जामिनेशन एरिया के अन्तर्गत 5 विषयों, नर्सिंग स्टेशन के अन्तर्गत 4 बिन्दुओं, ट्रीटमेंट एरिया जनरल वार्ड विदाउट ऑक्सीजन बैड्स के अन्तर्गत 8 बिन्दुओं, ट्रीटमेंट एरिया आईसीयू के अन्तर्गत 18 बिन्दुओं पर मॉकड्रिल को परखा एवं समस्त चिकित्सा इकाईयों में काविड 19 संक्रमित रोगियों के उपचार हेतु पर्याप्त मात्रा में आक्सीजन सिलेण्डर, आक्सीजन कसंनट्रेटर, आक्सीजन बेड पेंटिलेटर आई०सी०यू० बेड एच आवश्यक औषधियों की उपलब्धता की जाँच की गयी। समस्त ब्लॉक अन्तर्गत संचालित सबसेंटर व हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटरों में भी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, समस्त सबसेन्टर व हैल्थ वेलनेस सेंटरों की मॉनिटिंग हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा सीएमओ कार्यालय में कार्यरत कर्मिकों की टीम का गठन किया गया, टीम द्वारा ब्लॉक में स्थित समस्त पी०एच०सी० व हैल्थ एण्ड वेलनेस सेंटरों में जा कर कोविंद 19 की तैयारी का जायजा लिया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। मौकड्रिल के पश्चात डिब्रीफिंग में जिलाधिकारी ने कहा कि डॉक्टर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ को इस बात पर विशेष ध्यान देना चाहिए कि सीरियस हालत में आए हुए मरीजों में दूसरे मरीज के आने पर पहले आये हुए मरीज को न छोड़ा जाए बल्कि सभी मरीजों का एकसाथ (एक ही समय पर) ईलाज किया जाये।

जिलाधिकारी ने जनपद में आरटीपीसीआर सम्पल्स की टैस्टिंग जनपद में ही कराने के लिए तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने, अतिरिक्त पीपीई किट की डिमाण्ड करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मॉकड्रिल में जो भी छोटी-छोटी कमियां सामने आई हैं, उन कमियों को प्राथमिकता से दूर किया जाये। मॉक ड्रिल में मुख्य चिकित्साधिकारी डा० सुनीता चुफाल रतूड़ी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा० हरेन्द्र मलिक, जिला सर्विलांस अधिकारी डा० तपन कुमार शर्मा सहित डा० राजेश आर्या, प्रदीप महर, हिमांशु मुसोनी, डा० संतोष कुमार पाण्डे, डा० रविन्द्र पाल, संजय पाण्डे, पंकज गुसाई, कु० फरीन, बी०डी० पाण्डे, नवीन पाण्डे, निधी शर्मा, पुरन मल, जावेद आमिर, उमेश पाल, गोपाल आर्या तथा संगीता आदि सम्मलित थे।

भीड़-भाड़ में मास्क का उपयोग करें, लक्षण दिखें तो जांच करायें : सोनिका, डीएम , देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 दिसम्बर , जिलाधिकारी सोनिका ने कोविड संक्रमण से बचाव के दृष्टिगत अपने कार्यालय कक्ष सम्बन्धित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कोविड संक्रमण के बचाव हेतु राज्य सरकार द्वारा जारी एसओपी का परिपालन करवाने के साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी एवं समस्त उप जिलाधिकारियों को अपने-2 क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित सीएचसी, पीएचसी में निरीक्षण करते हुए मानकों का परिपालन करवायें। उप जिलाधिकाारियों को अपने-2 क्षेत्रों में एहतियात बरतने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कोविड से घबराने की आवश्यकता नही है बल्कि एहतियात बरते। उन्होंने जनमानस से अनुरोध किया कोविड संक्रमण से बचाव हेतु भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में मास्क का उपयोग करने तथा कोविड के लक्षण दिखने पर जांच करायें। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को बूस्टर डोज लगवाने हेतु कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। साथ ही कोविड जांच बढाने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मनोज कुमार उप्रेती, सहित उप जिलाधिकारी एवं एमओआईसी वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।